आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य्, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य » 5 वर्ष » 12 अंक » 144 मुद्रण तारीख » दिसम्बर 2023 कुल पृष्ठ » 20

आपश्री हमारे
विवाह में सपरिवार
सादर आमंत्रित हैं

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह – 2024

दिनांक : 10-11 फरवरी, 2024
स्थान : गायत्री विहार सागर, गेट नं. 4,
पैलेस ग्राउंड्स, मेखरी सर्कल के पास,
बैंगलोर, कर्नाटक 560080

1 लाख स्वेटर, कम्बल वितरण का लक्ष्य

सुकून भरी सर्दी

हर वर्ष की भाँति संस्थान गरीब-अनाथ-बेघर-बेसहारा जनों को बांट रहा है स्वेटर, कम्बल और ऊनी कपड़े। कृपया मुहिम में सहयोगी बनें

NARAYAN SEVA SANSTHAN
SINCE 1985
Nar Seva Narayan Seva

Bank Name	:	State Bank of India
Account Name	:	Narayan Seva Sansthan
Account Number	:	31505501196
IFSC Code	:	SBIN0011406
Branch	:	Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

+91 294 662 2222 | +91 702350999

मूल्य » 5 वर्ष » 12 अंक » 144 मुद्रण तारीख » दिसम्बर 2023 कुल पृष्ठ » 20

सेवा सौभाग्य

NARAYAN SEVA SANSTHAN
SINCE 1985
Nar Seva Narayan Seva

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

06

08

10

13

14

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 December, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

जो प्राप्त, वही पर्याप्त

– सेवक प्रशांत भैया

घर-परिवार के लिए धन की जरूरत तो होती ही है, लेकिन धन वही सार्थक होता है, जो ईमानदारी और परिश्रम से अर्जित किया जाए। धन-वैभव में वृद्धि तभी होती है, जब हम अपनी कमाई को सद्कार्यों के प्रवाह में नियमित रखें।

प्राय: व्यक्ति दिन-रात यही सोचते रहते हैं कि जो प्राप्य है, वह पर्याप्त नहीं।' व्यक्ति को महात्वाकांक्षी होना चाहिए, लेकिन उसके लिए स्वच्छ और परिश्रमपूर्वक ईमानदार प्रयत्न होने चाहिए।दूसरी तरफ ऐसे महानुभाव भी हैं, जो उनके पास है उसमें भी वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ इतना कुछ बचा लेते हैं, जिनसे अक्षम, असहाय, वृद्ध और विकलांग की सेवा में तत्पर रहकर जीवन को सही मार्ग पर बढ़ाया जाय। उन्हें न नाम का मोह है और न ही यश की लिप्सा। प्रभु उनकी हर कामना पूरी करते हैं। धन-वैभव में वृद्धि तभी होती है, जब हम अपनी कमाई को सद्कार्यो के प्रवाह में नियमित रखें।

एक व्यक्ति अपने सामान्य कारोबार से खुश था। घर-संसार में सन्तोष और सुख की कामना लिए वह महालक्ष्मी मंदिर में दीप जलाया करता। गौ-श्वान और द्वार आए अतिथि को रोटी देने के बाद स्वयं भोजन ग्रहण करता। धीरे-धीरे कारोबार फलने-फूलने लगा। अब वह परिवार को समय कम देने लगा और बाद में तो उसकी व्यस्तता इतनी बढ़ गई कि महालक्ष्मी को दीप अर्पण करना भी नियमित न रहा। वह यही सोचता रहता कि कैसे दिन दुगना-रात चौगुना धन की वृद्धि हो। चारों और भौतिक सुविधाओं का अम्बार था, लेकिन मन की शांति ओर संतोष का भाव तिरोहित होता जा रहा था। एक रात पलंग पर लेटे उसने खुली आंखों कोई परछाई देखी। पूछा कौन ? परछाई का उत्तर था- 'मैं मृत्यु हूं।' वह हड़बड़ा उठा। परछाई अब नहीं थी, लेकिन वह बेहाल था। बैचेन रहने लगा, मृत्यु के भय से खाना-पीना भी कम हो गया। बीमारी ने आ घेरा। चेहरे की रंगत उड़ गई। कारोबार भी दूसरों के भरोसे छोड़ने पर मंदा पड़ गया। कोई दवा कारगर न हुई। परिवारजन उसे एक महात्मा के पास ले गए। महात्मा ने उसकी सारी कहानी जानी। उन्होंने कहा मैं तुम्हारे लिए कुछ दिन में दवा तैयार करता हूं तब तक तुम पशु-पक्षी और गरीब की सेवा तथा दीप प्रज्वलन का क्रम नियमित कर दो। वह महात्मा का संकेत समझ गया। उसे अब समझ में आ गया था, अपनी बीमारी का कारण। मित्रों! घर-परिवार के लिए धन की जरूरत तो होती ही है, लेकिन धन वही सार्थक होता है, जो ईमानदारी और परिश्रम से अर्जित किया जाए।धन के प्रति ऐसी लालसा व्यर्थ है, जिसमें वह परिवार और समाज के प्रति दायित्व को ही भूल जाए। हर व्यक्ति खाली हाथ जन्मता है और आयु की पूर्णता के बाद खाली हाथ ही परमधाम को प्रस्थान करता है। अत: हम प्रयास करें कि जो प्राप्त है, वह पर्याप्त मानकर परिश्रम और परमार्थ के भाव को बनाए रखें। प्रभु कृपा से आवश्यक जरूरतें स्वत: पूरी होती जाएंगी।

निर्मल मन से सत्कर्म

पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

जीना एक कला है और तपस्या भी। जीना वही सार्थक है, जो दूसरों के जीवन में भी रस भर दे। हम उस आनंद की खोज करें, जो परमात्मा से तादात्म्य स्थापित कर परमानंद में परिवर्तित हो जाए।

मनुष्य ईश्वर की श्रेष्ठतम कृति है। इसे पूर्व जन्म का पुण्य ही मानते हुए हमें अपना जीवन सत्कर्म में लगाना चाहिए ताकि भव बंधन से मुक्त हो सकें। जीवन मात्र भोग के लिए नहीं है। भोग तो जीवन-मृत्यु के चक्र में फंसाकर बहुमूल्य जीवन को व्यर्थ ही कर देगा। इसके लिए सत्संग और सेवा आवश्यक है। जीना एक कला है और तपस्या भी। जीना वही सार्थक है, जो दूसरों के जीवन में भी रस भर दे। हम उस आनंद की खोज करें, जो परमात्मा से तादात्म्य स्थापित कर परमानंद में परिवर्तित हो जाए। जब सेवा, परोपकार, परमार्थ की त्रिवेणी में डुबकी लगेगी और मोह व अज्ञान का विलोप होगा तो आनंद की अनुभूति होने लगेगी। गृहस्थ रहते हुए भी सेवा और भक्ति के बाधक तत्वों को परित्याग किया जा सकता है। यह तभी संभव है, जब मन निर्मल हो। निर्मल मन ही सत्कर्म का स्त्रोत होता है।

इस संदर्भ में एक प्रसंग याद आता है। एक श्रेष्ठी रोजाना संध्या समय मंदिर में सुख-समृद्धि की कामना करते घी का दीपक जलाया करता। उसी गांव में रहने वाला एक गरीब भी रोजाना प्रभु से सन्मार्ग दिखाने की प्रार्थना के साथ तेल का दीपक जलाता था। बाद में उसी दीपक को उठाकर वह गली के मोड़ पर रख देता ताकि आने-जाने वालों को सुविधा हो। संयोगवश इन दोनों ने एक ही दिन, एक ही समय देह त्यागी। जब धर्मराज ने गरीब व्यक्ति को स्वर्ग में श्रेष्ठ स्थान उपलब्ध कराने का पार्षदों को आदेश दिया तो श्रेष्ठी तत्काल बोल पड़ा, वह स्थान तो मुझे मिलना चाहिए, मैं तो प्रभु को रोजाना घी का दीपक अर्पण करता था, जब कि यह तेल का दीपक जलाता था और बाद में उठा भी लेता था। धर्मराज उसकी बात सुन मुस्कराए और बोले-'तुम अपनी सुख-सुविधा बढ़ने की कामना लेकर दीपक जलाते थे जबकि यह गरीब अंधेरे मोड़ पर राहगीरों के मार्ग दर्शन के लिए दीपक जलाता था। कर्मों का आकलन इस आधार पर होता है कि किए गए कार्य का प्रयोजन, उद्देश्य क्या है?'

बंधुओं! प्रभु हमें जिस भी हाल में रखें, उनका आभार मानते हुए, अच्छे कर्म करते रहना चाहिए। अपने कार्यों पर ही यह निर्भर होगा कि बदले में क्या और कितना मिलना है। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्‌भागवत गीता में भी तो अर्जुन से यही कहा कि-'कर्म करो, फल की अभिलाषा मत करो। यह काम ईश्वर पर छोड़ दो।' अर्थात् ईश्वर ही मनुष्य के कर्मों का आकलन कर फल निर्धारित करेंगे।

कृत्रिम पांव से जगी उमा में उम्मीद

उमा को कृत्रिम पांव पहन चलते हुए देख परिजन को जो खुशी हुई, उसको बया नहीं कर सकते

समय का खेल भी निराला है, जब दुःख आता है तो इतना कि व्यक्ति पूरी तरह टूट जाए, और सुख की बात करें तो खुशियों की बौछार भी बेशुमार होने लगती है। ऐसा ही कुछ हुआ शिरपुर (महाराष्ट्र) निवासी गोपाल-जाग्रति के साथ भी। वे बताते हैं कि तीन बेटियों के बीच बड़ी बेटी उमा पंवार (11)का जन्म शारीरिक विकृति के साथ हुआ। उसके जन्म से खुशी तो हुई लेकिन दुःख ज्यादा हुआ। दांया पांव घुटने के नीचे से बिना हड्डी और मुड़ा हुआ था। यह देख सभी परिजनों के होश उड़ गए। परन्तु नियति के आगे कर भी क्या सकते थे। अपना बुरा नसीब मान बेटी की परवरिश में लग गए। उमा की बढ़ती उम्र उसके और परिजनों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं थी। उसको एक जगह से दूसरी जगह पर आने-जाने के लिए हमेशा एक जन को साथ रहना ही पड़ता था। औरों को देख उमा अपनी हालत पर रोती रहती थी। नजदीक के विद्यालय में दाखिला लेने पर स्कूल से ही नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क सेवा कार्यों की जानकारी मिली।

उमा ने माता-पिता को जानकारी दी। पिता गोपाल ऑटो चलाकर घर का गुजारा चलाते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने से क्षेत्रीय विधायक अमरिज पटेल ने उदयपुर का किराया दे उन्हें संस्थान भेजा। यहां आने पर हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा जांच कर 27 दिसम्बर 2020 को पांव का ऑपरेशन कर घुटने के नीचे से पांव काटा गया। निरंतर उपचार चलता रहा। करीब 2 साल बाद 25 अगस्त 2023 को माप शिविर में पांव का माप लिया गया। पुनः दूसरी बार शिरपुर में कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 20 अक्टूबर में निःशुल्क कृत्रिम पांव तैयार कर पहनाया गया। पांव पहनते ही उमा के चेहरे पर रौनक आ गई।

अंशुल को मिली नई जिंदगी

(म.प्र) ग्वालियर की भितरवार तहसील निवासी दीवान सिंह मांझी और हेमलता देवी पहली संतान के रूप में बेटे के होने से बेहद खुश थे। लेकिन यह खुशी कुछ ही पल में दुःख में तब्दील हो गई। नवजात अंशुल को पन्द्रह दिन बाद दाँए पांव में दवा के दुष्प्रभाव के कारण गैग्रीन हो गया। जिसके कारण उसका पैर कटवाना पड़ा। एक मित्र से उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण और सेवा प्रकल्पों की जानकारी मिली। तो माता-पिता बिना समय गंवाए अंशुल को संस्थान में ले आए। जहां उसका डॉक्टर्स द्वारा निःशुल्क जांच कर पैर का माप लिया गया। करीब 2 दिन पश्चात् अंशुल को कृत्रिम अंग पहना कर चलने फिरने का अभ्यास करवाया गया। अब अंशुल अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है, चल-फिर सकता है और अन्य बच्चों के साथ खेल भी सकता है। बच्चे को चलता-फिरता देखकर माता-पिता काफी खुश हैं। वे कहते हैं कि हमनें कभी नहीं सोचा था की अंशुल खड़ा हो चल पायेगा लेकिन संस्थान ने इस नेक कार्य को कर अंशुल को एक नई जिंदगी दी है। हम संस्थान के सदैव आभारी रहेंगे।

मिला आत्मनिर्भर नया जीवन

एड़ियों के बल बड़ी मुश्किल से कुछ कदम चलने की कोशिश करता भी तो संतुलन बिगड़ जाता और नीचे गिर पड़ता। ऐसे हालातों से मिली निजात। सहारनपुर (उ.प्र.) के सुशील कश्यप-रेखा देवी बताते हैं कि पहली संतान के रूप में अनिकेत (23) का जन्म हुआ, घर में खुशी का माहौल था। लेकिन जब पता चला कि जन्मजात पोलियो ग्रस्त है तो बहुत दुःख हुआ। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती गई वैसे-वैसे परेशनिया भी बढ़ती चली गई। स्कूल में भी हर वक्त बच्चे मजाक उड़ाते रहते। थोड़ा चलता भी तो नीचे गिर जाता था। उपचार भी बहुत करवाया परन्तु लाईलाज ही रहा। इसी दौरान पिछले वर्ष सहारनपुर में नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क पोलियो जांच-चयन, नारायण लिंब एवं कैलिपर माप शिविर की जानकारी मिली, 4 जुलाई 2022 को उदयपुर संस्थान आए। यहां आने पर बारी-बारी से दोनों पैरों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन होने के बाद अब अनिकेत अपने पैरों पर खड़ा हो चलता भी है। वह कहता है कि अब मुझे न तो किसी के सहारे कि और ना ही गिरने का डर रहता है। मैं खुद चल लेता हूँ। कुछ समय बीतने के बाद अगस्त 2023 में आत्मनिर्भर बनने की चाह रख पुनः संस्थान आए। जहां संस्थान ने निःशुल्क त्रैमासिक कम्प्युटर प्रशिक्षण दे आत्मनिर्भर बनाया। अनिकेत और परिजन बताते हैं कि संस्थान ने दिव्यांगता दूर कर सकलांग ही नहीं बल्कि आत्मनिर्भर बना एक नया जीवन भी दिया हैं। संस्थान परिवार का बहुत धन्यवाद ! हम सदैव आभारी रहेंगे।

बिना बाजूओं की शीतल ने जीत लिया सोना

किश्तवाड़ (जम्मू-कश्मीर) निवासी शीतल देवी ने पैर के अगूंठे की मदद से तीर चलाकर भारत को तीरंदाजी में स्वर्ण पदक दिलाया।

भारतीय पैरा (दिव्यांग) खिलाड़ियों ने हांगझाउ (चीन) में 28 अक्टूबर को संपन्न पैरा एशियन गेम्स टूर्नामेंट में इस बार 111 पदक जीत कर इतिहास रच दिया। इन्होंने साबित कर दिया कि उनकी जिद, जुनून और जज्बा शारीरिक अक्षमता के बावजूद किसी से काम नहीं है। यह किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। यहां उल्लेखनीय हैं कि पहले पैरा एशियाई खेल 2010 में भारत ने 14 पदक जीतकर 15वां स्थान हासिल किया था, जब कि 2018 में वह नौवीं पायदान पर रहा। दिव्यांग बंधु-बहिनों के हौसलों की इसी उड़ान को देखते हुए आपके अपने इस संस्थान ने भी नारायण पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी की स्थापना की है,जिससे पैरा खिलाड़ियों को निःशुल्क बेहतर अभ्यास और प्रशिक्षण के साथ उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मुहैया करने में मदद की जा सके। इस दृष्टिकोण से संस्थान पिछले 6 वर्ष में पैरा खिलाड़ियों के 5 राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करवा चुका है,जिनमें इसी वर्ष अक्टूबर में सम्पन्न तीसरी नेशनल डिसअबेलिटी क्रिकेट चौंपियनशिप भी शामिल है।

ग्यारह दिवसीय इस टूर्नामेंट में देश के विभिन्न राज्यों की 24 टीमों ने भाग लिया था। संस्थान आपकी इस स्पोर्टस् एकेडमी के माध्यम से दिव्यांगों को खेलों के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्थापित करने का प्रयास करेगा। आपका सहयोग व आशीर्वाद वांछनीय है।

उदास चेहरों पर खुशी की चमक

घटना - दुर्घटना में हाथ -पांव खोकर अपूर्णता के बोध से उदास चेहरे तब खिल उठे, जब उन्हें नि:शुल्क नारायण कृत्रिम अंग मिले। अक्टूबर में विभिन्न शहरों में 1000 से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। अब अपने नियमित रोजगार से पुन: जुड़ जाएंगे।

कांठ :- मुरादाबाद (उप्र) जिले के कांठ नगर स्थित बिहारी आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में 2 अक्टूबर को संस्थान के तत्वावधान में विशाल नि:शुल्क दिव्यांग जांच, नारायण लिम्ब-कैलीपर माप एवं उपकरण वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि आरएसएस के विभाग प्रचारक श्री वतन सिंह थे। शिविर में डॉ. अखिल भास्कर ने 163 दिव्यांगजन की जांच कर 16 का ऑपरेशन, 29 का नारायण लिम्ब व 33 का कैलिपर माप के लिए चयन किया। शिविर में 15 दिव्यांग को ट्राईसाइकिल, 5 को व्हील चेयर, 15 को बैसाखी जोड़ी का वितरण भी किया गया। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राम किशोर जी लोधी, संजीव जी चौधरी और डॉ. रामवीर सिंह का स्वागत सम्मान किया।

मुरादाबाद :- ओम भवन मुरादाबाद में 15 अक्टूबर को संस्थान के पी.एण्ड.ओं डॉ. रामनाथ ठाकुर ने 227 दिव्यांगजन की जांच कर 12 का नि:शुल्क ऑपरेशन व 27 को कृत्रिम अंग, 25 को कैलीपर प्रदान करने के लिए चयनित किया। जिनका प्रोस्थेटिस्ट टीम ने माप लिया। शिविर के मुख्य अतिथि आरएसएस के विभाग प्रचारक श्री वतन कुमार व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रामकिशोर लोधी, उमाकांत व ओमप्रकाश शास्त्री थे। अतिथियों ने 15 को ट्राईसाइकिल, 5 को व्हील चेयर व 12 को बैसाखियां प्रदान की। संचालन लाल सिंह भाटी ने किया।

धुलिया :- अग्रवाल विद्यार्थी शिक्षक सहायक मंडल धुलिया महाराष्ट्र के तत्वावधान में 22 अक्टूबर को संपन्न विशाल शिविर में 311 दिव्यांगजन

पंजीकृत किए गए। जिनमें से डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय ने जांच कर 120 का कृत्रिम अंग व 92 के कैलिपर बनाने के लिए चयन किया। संस्थान के प्रोस्थेटिक टेक्नीशियन ने माप लिया। निःशुल्क सर्जरी के लिए भी 17 दिव्यांग का चयन हुआ। मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती प्रतिभा ताई थी। अध्यक्षता श्री विनोद मित्तल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री कैलाश अग्रवाल, दिनेश गींदोलिया, बजरंग लाल अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, डॉ. अक्षिता अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल व श्रीमती भारती सिंघानिया थी। अतिथियों का स्वागत -सम्मान प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

लुधियाना :- दुर्गा माता मंदिर, अर्बन स्टेट फेज-1 डूंगरी में 28 अक्टूबर को श्रीमती ज्योति गर्ग एवं परिवार के सौजन्य से संपन्न शिविर में 32 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 13 को कैलिपर पहनाया गए। मुख्य अतिथि श्री विनय गर्ग थे। अध्यक्षता श्री अमित गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती ज्योति गर्ग, श्रीमती संतोष कपिल, श्री रामलाल गर्ग व श्री अभिनव गर्ग थे। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी ने संचालन किया। अतिथियों ने 18 दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल व 11 को व्हीलचेयर का वितरण भी किया। धन्यवाद आश्रम प्रभारी मधुसूदन ने किया।

वर्धा :- लॉयंस क्लब, गांधी सिटी, वर्धा (महाराष्ट्र) की ओर से 29 अक्टूबर को मातोश्री सभागृह में संपन्न नारायण लिम्ब एवं कैलिपर फिटमेंट शिविर में पी.एंड ओ. डॉ. रोली शुक्ला की देखरेख में 68 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ -पैर व 19 को कैलिपर पहनाया गए। इसमें फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. तानिया पाण्डे ने सहयोग किया। मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक श्री नुरूल हसन थे। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री पंकज भोयर, मोहन

अग्रवाल, संजय ठाकरे सत्यनारायण चांडक, अनिल नरेड़ी, अरूण मुरलीधर, महेश अग्रवाल व ब्रह्मकुमारी माधुरी थीं।

वाराणसी : – भारत विकास परिषद एवं वरूण सेवा के तत्वावधान में 29 अक्टूबर को हेडगेवार पार्क, अशोक विहार कॉलोनी में आयोजित शिविर में पंजीकृत 153 दिव्यांगजन की जांच कर 66 का कृत्रिम हाथ-पैर व 18 का कैलिपर के लिए चयन किया गया। डॉ. रामनाथ ठाकुर ने निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 7 दिव्यांगजन का चयन किया।

शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने अतिथियों का स्वागत -अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि श्री रवि प्रकाश जायसवाल थे। अध्यक्षता डॉ. इन्दु सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री रमेश लालवानी, विवेक सूद, पंकज कुमार सिंह, संजय गुप्ता, सी ए आलोक कुमार एवं मनोज श्रीवास्तव थे।

सहारनपुर :- सैनिक फूड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड सहारनपुर (उप्र) के सौजन्य से नगर निगम स्थित जलमंच ग्राउण्ड में 31 अक्टूबर को सम्पन्न शिविर में 75 निःशक्तजन की जांच कर 16 को कृत्रिम अंग - कैलिपर व 2 को सर्जरी के लिए चयनित किया गया। मुख्य अतिथि श्री भूपेंद्र सिंह, मुकेश कुमार जी,व विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनू जैन व मुकेश कुमार जी ने 15 दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, 10 को बैसाखी जोड़ी व 1 को व्हील चेयर प्रदान की। जांच कार्य पीएंडओ डॉ. भगवतीलाल ने किया।

बनें मुस्कान असहायजनों की

निःशुल्क कम्बल वितरण

निःशुल्क राशन वितरण

निःशुल्क स्वेटर वितरण

समर्पण समारोह

संस्थान के सेवामहातीर्थ, लियों का गुड़ा में 8 अक्टूबर को दीपोत्सव के क्रम में रंगारंग समर्पण समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें देश के विभिन्न भागों से निःशुल्क सर्जरी के लिए पधारें दिव्यांग व उनके परिजनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिए। संस्थान साधकों ने सामाजिक सांस्कृति प्रस्तुतियां दी।

प्रथम पुरस्कार

द्वितीय पुरस्कार

तृतीय पुरस्कार

दानवीरों का हार्दिक आभार

शाखा प्रेरणा स्त्रोत माह अक्टूबर-2023

श्री राजेन्द्र सिंघल एवं श्रीमती रानी सिंघल
आगरा (उत्तर प्रदेश)

शाखा प्रेरक
श्री रवि शंकर अरोड़ा
शाहदरा (नई दिल्ली)

शाखा संयोजक
श्री गुलाब सिंहचौहान
उज्जैन (मध्यप्रदेश)

सेवा प्रचारक
रानी दुलानीजी
कांदिवली (ई) (महाराष्ट्र)

स्व. श्री हरि चन्द्र
मिड्ढा,रूद्रपुर
(उत्तराखण्ड)

झीनी झीनी रोशनी-55

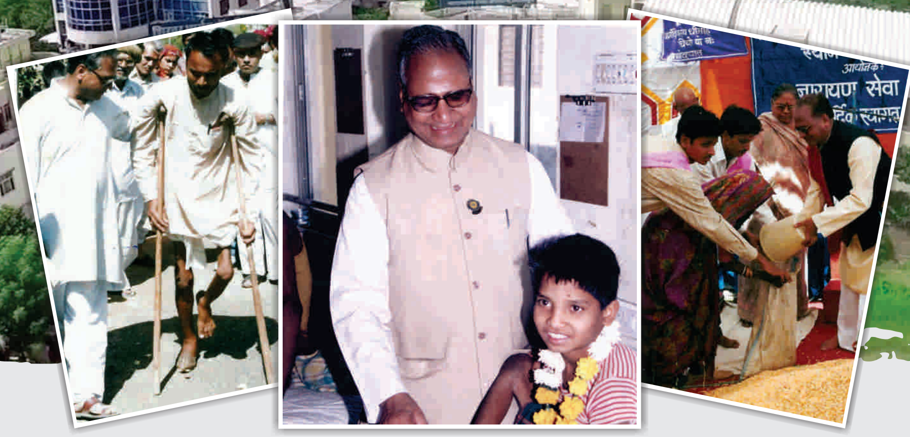

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

चुरू का इलाका रेगिस्तान से भरा पड़ा था। आवागमन के समुचित साधन नहीं थे, जिले के कई गांवों में जाने के लिए ऊँट ही एकमात्र साधन था। इस वजह से पूर्व के इन्सपेक्टर कहीं जाते भी नहीं थे। मेल ओवरसियरों से बस्ता मंगवा लेते थे और घर पर बैठे-बैठे ही निरीक्षण की औपचारिकताएं पूरी कर लेते थे। कैलाश जी को भी जब यही रास्ता सुझाया गया तो वह तैयार नहीं हुए। उन्हें इधर-उधर जाने, लोगों से मिलने, नये-नये अनुभव लेने में आनन्द आता था। ऊंट से कहीं जाने का प्रस्ताव आता तो वे रोमांचित हो जाते और खुशी-खुशी ऊंट की सवारी करते। मुसीबत अर्दली और मेल ओवरसियरों की होती जिन्हें कैलाश जी के साथ-साथ इन यात्राओं में शामिल होना पड़ता। गांवों में गरीबी बहुत थी। ब्रांच पोस्टमास्टर भी घर से ही काम करते थे।

एक गांव में निरीक्षण के दौरान कैलाश जी 'मानव' वहां के पोस्ट मास्टर के घर ही ठहरे। उन्हें पता था कि वो अत्यन्त गरीब है मगर कोई अन्य चारा भी नहीं था। उस गांव में इसके पहले कभी कोई इन्सपेक्टर आया ही नहीं था। पोस्ट मास्टर ने अपने बच्चे के हाथ में एक पैसा रखा और बोला-जा घी ले आ। कैलाश जी ने यह देख लिया, उनका कलेजा मुँह को आ गया, इतनी गरीबी में भी वह आतिथ्य परम्परा का भरसक निर्वाह की कोशिश कर रहा था।

कैलाश जी ने तुरन्त बच्चे को रोका। नहीं, बेटा नहीं, घी लाने की जरूरत नहीं। आप लोग जैसा खाते हो मैं भी वैसा ही खाऊंगा। पोस्ट मास्टर के नेत्र से सजल हो उठे। उस क्षेत्र में बाजरा प्रचुरता से होता है। थोड़ी ही देर में बाजरे की रोटी और छाछ लेकर पोस्ट मास्टर आया। कैलाश जी स्वाद ले खाने लगे तो पोस्ट मास्टर रोने लगा। कैलाश जी हतप्रभ रह गए, ऐसी क्या बात हो गई। उन्होंने पूछ लिया तो कातर स्वर में बोला-बड़े साहब मेरे घर पर आये हैं और मैं उन्हें रूखी रोटी खिला रहा हूं। कैलाश जी ने उसके कन्धे पर हाथ रखा और विश्वास दिलाया कि वह अक्सर रूखी रोटी ही खाते हैं, फिर उन्होंने छाछ के साथ रोटी खाने में आ रहे आनन्द का वर्णन कर उसकी ग्लानि दूर करने की कोशिश की। क्रमशः

भारत व भारत के बाहर संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

....

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

....

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

....

श्रीमान अजीत कुमार जी शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

....

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112, डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार डाइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद
(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

प्लोट नं. डी-17, एफ-2, आदर्श रेजीडेंसी उमापथ, रामनगर, सोडाला, जयपुर मो.नं.: 8696002432

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचति आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है।

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
रोगी को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।
आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

Website : www.narayanseva.org

चल पड़े दिव्यांग,
आपके शुभ सहयोग से।
धन्य हुए दिव्यांग,
आपके पुण्य प्रयोग से।।

Donate via UPI

Google Pay
PhonePe
Paytm

narayanseva@sbi

लाचार को करें साकार

1 कृत्रिम अंग सहयोग
₹ 5,000

Seva Soubhagya Print Date 1 December, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-